

## LOK SABHA

*Tuesday, August 20, 1968/Śravana 29,  
1890 (Saka)*

*The Lok Sabha met at Eleven of the  
Clock.*

[MR. SPEAKER in the Chair]

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

### PRICES OF SHOES FOR EXPORT TO USSR

\*541. SHRI SHARDA NAND : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Russian Government offers higher price for shoes and other goods if the same are purchased through the "Bharat Vindhya", Ring Road, South Extension, New Delhi;

(b) whether Government propose to make an enquiry to find out the reasons therefor;

(c) whether it is also a fact that this extra money is partly used for the Communist activities in India; and

(d) if so, whether Government have made an inquiry in the matter ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) No, Sir. 'Bharat Vindhya' are not associates of S.T.C. for the exports of shoes or other footwear to the Soviet Union.

(b) to (d). Do not arise.

श्री शारदा नन्द : मैं यह जानना चाहता हूँ कि पिछले दो सालों में इस फर्म के द्वारा कितना माल भेजा गया और अन्य कम्पनियों ने कितना माल भेजा ?

श्री विनेश सिंह : मैं ने अभी कहा है कि इस फर्म ने कोई भी जूता या और फुटवियर एस० टी० सी० के जरिये से सोवियट यूनियन को नहीं भेजा है ।

श्री शारदा नन्द : क्या यह सही नहीं है कि इस कम्पनी को सीधे आर्डर मिल जाता है और वह सीधे चप्पल और अन्य सामान भेजती है ?

श्री विनेश सिंह : कहां भेजती है ? मैं यही तो कह रहा हूँ कि वह नहीं भेजती है ।

श्री राम स्वरूप विद्यार्थी : इस प्रश्न के भाग (ए) में लिखा है :

"whether it is a fact that the Russian Government offers higher prices for shoes and other goods...."

"अदर गुड्ज" का अर्थ केवल चमड़े सम्बन्धी गुड्ज ही नहीं है, बल्कि और चीजें भी एक्सपोर्ट की जा सकती हैं । क्या यह हकीकत नहीं है कि नावल्टी एक्सपोर्टर्स के, जो रक्षा के साथ जूते का व्यापार करते हैं, मैनेजिंग डायरेक्टर, मि० सैंडर्स, पहले रशियन ट्रेड कमिश्नर के यहां नौकर थे और रक्षा के कहने से उन्होंने यह फर्म स्थापित की; इस फर्म, नावल्टी एक्सपोर्टर्स, को रक्षा ने डायरेक्ट आर्डर दिया । नियमों के अनुसार एस० टी० सी० के थू सब एक्सपोर्ट होना चाहिए, लेकिन एस० टी० सी० ने उस आर्डर को कनफर्म करने से इन्कार किया; जब रक्षा ने प्रैशर डाला, तो छः सात महीने के बाद मजबूर हो कर एस० टी० सी० ने उस आर्डर को कनफर्म किया और फिर रक्षा को माल गया । क्या

यह भी हकीकत नहीं है कि इस फर्म के रक्षा से डायरेक्ट टाल्लुकात हैं और जब भी रक्षा ने मार्केट में प्राइसिज डाउन करनी हों, तो वह इस फर्म को कन्ट्रैक्ट करता है, इस फर्म से सौदा करता है और एस० टी० सी० को मजबूर करता है कि वह कम दाम पर रक्षा को माल सप्लाई करे। उदाहरण के लिए मैं बताना चाहता हूँ कि . . . . .

**MR. SPEAKER :** No, he need not give any example. He has already taken so much time. Now, let the hon. Minister answer.

**श्री दिनेश सिंह :** अध्यक्ष महोदय, आप ने "भारत वानिध्य" के बारे में इस सवाल की इजाजत दी है। माननीय सदस्य किसी और फर्म द्वारा एक्सपोर्ट की बात कर रहे हैं। उस के बारे में मुझे पता लगाना पड़ेगा।

**श्री अचल सिंह :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि एस० टी० सी० के अलावा और कौन-कौन सी फर्म हैं, जो रक्षा को डायरेक्ट शूज सप्लाई करती हैं ?

**श्री दिनेश सिंह :** एस० टी० सी० के अलावा और कोई बाहर जूते सप्लाई नहीं करता है। जूते एस० टी० सी० के जरिये से ही बाहर सप्लाई किये जाते हैं, क्योंकि वह चैनेलाइज्ड आइटम है।

**श्री शिव चरण लाल :** क्या यह सच है कि आमरा में जो बिना मशीन की सहायता के मजदूरों द्वारा जूते बनाये जाते हैं, उन मजदूरों को प्रति-जोड़ा जूते पर वही मजदूरी मिलती है, जो बड़ी फैक्ट्रियों में प्रति-जोड़ा जूते पर लागत जाती है; यदि हां, तो सरकार जूता उद्योग को बढ़ावा क्यों नहीं दे रही है ?

**श्री दिनेश सिंह :** माननीय सदस्य ने जो सवाल लिख रखा है, अगर वह मुझे भेज दें, तो मैं उस का जवाब दे दूंगा।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** छोटे व्यापारियों और छोटे-छोटे जूता बनाने वालों को

जूतों के निर्यात का आर्डर देने में दफ्तर द्वारा काफ़ी पक्षपात होता है। इस लिए क्या सरकार ऐसी व्यवस्था करेगी कि व्यापारियों द्वारा सब माल राज्य व्यापार निगम को दिया जाये और केवल राज्य व्यापार निगम ही जूतों का निर्यात करे, ताकि नीचे के स्तर पर नाना प्रकार की घपलेबाजी न हो सके ?

**श्री दिनेश सिंह :** मैंने अभी कहा है कि जूतों का निर्यात-व्यापार चैनेलाइज्ड है। यह जरूर है कि एस० टी० सी० खुद तो जूते नहीं बनाता है, वह किसी न किसी से खरीद कर ही बाहर भेजता है। माननीय सदस्य ने इस बारे में पक्षपात किये जाने की बात कही है। वह बात कहने की तो हर वक्त गुंजायश रहती है। अगर माननीय सदस्य मुझे कोई खास बात बतायें, तो मैं उस के बारे में जांच करूंगा।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** मैं पक्षपात के बारे में मंत्री महोदय को प्रमाण दूंगा।

**SHRI HEM BARUA :** Although we have rupee payment trade agreement with Soviet Russia and other East European countries, is it a fact that rupee payment trade agreement is a misnomer and what we rely on is barter of goods between the different countries? Further, is it a fact that the price is calculated on the rupee basis?

**SHRI DINESH SINGH :** Yes, it is a barter trade where the value is calculated in Indian rupee.

**SHRI S. M. BANERJEE :** I am happy that the export of shoes to the Soviet Union and other East European countries is on the increase. May I know whether it is a fact that some orders have been given by the STC to Messrs. Cooper Allen & Co. in Kanpur to save their industry from crisis, and if so, the value of the orders placed on them?

**SHRI DINESH SINGH :** The STC has given some orders to Messrs. Cooper Allen & Co., but I could not give the exact value off hand.

**श्री ओम प्रकाश त्यागी :** क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि रूस और अमेरिका यहाँ की कुछ पोलिटिकल पार्टियों को माल भेजते हैं, जिस को बेच कर वे पार्टियों आर्थिक सहायता प्राप्त कर लेती हैं? इस प्रकार से यहाँ की पोलिटिकल पार्टियों को माल के रूप में आर्थिक सहायता दी जा रही है। क्या सरकार ने कभी अंदाजा लगाया है कि अमेरिका और रूस से कितना माल यहाँ की पार्टियों या मिशनरीज को आता है उस की कीमत कितनी है, क्या उस माल का डिस्ट्रीब्यूशन होता है या वह बेचा जाता है, यदि बेचा जाता है, तो क्या सरकार उस पर कोई नियंत्रण रखने का विचार रखती है?

**श्री दिनेश सिंह :** अध्यक्ष महोदय, आप को और सदन को विदित है कि हमारे यहाँ जो व्यापार है, वह फ्री मार्केट इकानोमी पर आधारित है। मैं खुद माननीय सदस्य से पूछना चाहूंगा कि किस तरह से हम यह पता लगायें कि कितना सामान किस दाम पर किस ने खरीदा और किस का बेचा। सरकार ने ऐसा कोई नियंत्रण नहीं लगा रखा है। हम जो माल एस० टी० सी० के जरिये चैनेलाइज करते हैं, उस के बारे में हम सूचना रखते हैं कि वह किस दाम पर बिका आदि। जहाँ तक इस बात का ताल्लुक है कि प्राइवेट कम्पनियाँ किस दाम पर माल खरीदती हैं, किस दाम पर बेचती हैं, क्या वे मुझे यह सब लिख कर भेजती हैं?

**श्री ओम प्रकाश त्यागी :** एस० टी० सी० के छू नहीं, डायरेक्ट डोनेशनज के रूप में यहाँ माल आता है और वह बेचा जाता है। डोनेशनज का माल बेचा जाता है और इस प्रकार पोलिटिकल पार्टियों को इन-डायरेक्ट रूप में आर्थिक सहायता दी जाती

है। क्या सरकार ने यह जांच करने की कोशिश की है कि डोनेशनज का माल बेचा जाता है; यदि बेचा जाता है, तो क्या सरकार उस पर कोई नियंत्रण करेगी?

**श्री दिनेश सिंह :** माननीय सदस्य ने डोनेशनज के बारे में यह एक नई बात कही है। जाहिर है कि डोनेशनज का माल बेचने के लिए नहीं है। अगर वह बेचा जाता है, तो शलत है। अगर माननीय सदस्य इस बारे में कुछ इत्तिला देंगे, तो हम जरूर उस की जांच करेंगे।

**श्री ओम प्रकाश त्यागी :** अध्यक्ष महोदय, वह तो यहाँ पर सरे-आम बेचा जाता है।

**MR. SPEAKER :** It is not a debate that we are having now.

**SHRI LOBO PRABHU :** Would the hon. Minister clarify whether the price of shoes has been reduced by Rs. 6 this year as compared to the prices last year notwithstanding the fact that the price of shoes in the country has risen? Secondly, would the hon. Minister clarify what the prices of the shoes sold to Russia is as compared to the prices of the shoes sold to other countries? He may in this connection confirm that the prices of shoes sold to Russia are not even half the price of the equivalent quality of shoes in the free market in Europe?

**SHRI DINESH SINGH :** The hon. Member knows very well that there are no prices of shoes in general; there is a price for each individual variety of shoes.

**SHRI LOBO PRABHU :** I am talking of the average price.

**SHRI DINESH SINGH :** If he would wish me to give him the price of any particular variety, I would be very glad to provide him with the figure.

**SHRI S. K. TAPURIAH :** The question is whether there has been an average decline of prices. It may be of all varieties. But has there been any decline?

**SHRI DINESH SINGH :** With all due respect to the hon. member, I do not need his assistance to answer the question. I have to satisfy you and I shall do my best to do it.

So far as the general prices of shoes are concerned, shoes sold to the Soviet Union are also sold at our export prices. There is no discrimination between shoes sold to the Soviet Union and to any other part of the world.

**SHRI R. K. SINHA :** The Bharat Vanijya and other firms which trade with the Soviet Union and East Europe are brought under discussion many times in this House. Is such trade with East Europe or the Soviet Union permitted and if there is legitimate trade, is there any lacuna that they have discovered in the functioning of these trade organisations, including this organisation which has been mentioned? If not, why should such questions be oft-repeated in order to embarrass our trade relations with the Soviet Union?

**SHRI C. K. BHATTACHARYYA :** What is the objection?

**MR. SPEAKER :** It is no question at all.

#### PRICE OF SODIUM NITRATE

\*543. **SHRI SITARAM KESRI :** Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the acid manufacturers, research laboratories and defence establishments have been seriously hit due to the exorbitant price of sodium nitrate for industrial use; and

(b) if so, the steps taken to hold the price and help the above mentioned users?

**THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI BHANU PRAKASH SINGH) :** (a) There has been a rise in the price of sodium nitrate on account of devaluation and other

factors. The requirements of sodium nitrate in research laboratories is very little. Defence establishments have their own synthetic nitric acid factory. As regards acid manufacturers, the manufacture of nitric acid based on sodium nitrate has become somewhat out-dated.

(b) The State Trading Corporation is arranging the import as well as distribution to actual users of sodium nitrate at fixed price, the distribution being on the recommendations of the Directorate General of Technical Development and the Development Commissioner (Small Scale Industries).

**श्री सीताराम केशरी :** मंत्री महोदय ने सोडियम नाइट्रेट की प्राइस में जो बढ़ाव कर दिया है उसको माना है। इस बढ़ाव की वजह से जो छोटी छोटी इंडस्ट्रीज़ में इसका इस्तेमाल होता था, क्या उन इंडस्ट्रीज़ को धक्का नहीं लगा है? मैं यह भी जानना चाहता हूँ कि क्या किन्हीं प्राइवेट मैन्युफैक्चरिंग एंजिनियरिंग की ओर से आप को कोई स्मृतिपत्र भी इस सम्बन्ध में दिये गये हैं जिन में उन्होंने बताया है कि जो छोटे छोटे उद्योग धंधे इसके सहारे चलते हैं वे बन्द हो जाएंगे और इसके परिणामस्वरूप हजारों मजदूर बेकार हो जाएंगे? मैं जानना चाहता हूँ कि यदि ये स्मृति पत्र आए हैं तो उसके लिए आपने क्या योजना बनाई है इसके भाव को नियंत्रित करने के लिए और इंडस्ट्री को चलते रहने देने के लिए?

**औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री कलकट्टी अली अहमद) :** जवाब में बताया गया है कि इसकी कीमत बढ़ाने की कोई बज्जहात नहीं है। सब से पहली तो यह है कि डिवाल्व्यूएशन के बाद कीमतें बढ़ी हैं। उसके बाद यह हुआ कि पहले तो एग्रिकलचरल डिपार्टमेंट इसको इम्पोर्ट करता था और तब इस पर एक्साइज ड्यूटी नहीं लगती थी लेकिन अब एग्रिकलचर डिपार्टमेंट समझता